Swachh Bharat

The Swachh Bharat Mission (SBM) emanates from the vision of the Government articulated in the address of The President of India in his address to the Joint Session of Parliament on 9th June 2014: “We must not tolerate the indignity of homes without toilets and public spaces littered with garbage. For ensuring hygiene, waste management and sanitation across the nation, a “Swachh Bharat Mission” will be launched. This will be our tribute to Mahatma Gandhi on his 150th birth anniversary to be celebrated in the year 2019” SBM is being implemented by the Ministry of Urban Development (M/o UD) and by the Ministry of Drinking Water and Sanitation (M/o DWS) for urban and rural areas respectively.

“A clean India would be the best tribute India could pay to Mahatma Gandhi on his 150 birth anniversary in 2019,” said Shri Narendra Modi as he launched the Swachh Bharat Mission at Rajpath in New Delhi. On 2nd October 2014, Swachh Bharat Mission was launched throughout length and breadth of the country as a national movement.

By inviting people to participate in the drive, the Swachhta Abhiyan has turned into a National Movement. A sense of responsibility has been evoked among the people through the Clean India Movement. With citizens now becoming active participants in cleanliness activities across the nation, the dream of a 'Clean India' once seen by Mahatma Gandhi has begun to take shape.

People from different sections of the society have come forward and joined this mass movement of cleanliness. Millions of people across the country have been, day after day, joining the cleanliness initiatives of the government departments, NGOs and local community centres to make India clean. Organising frequent cleanliness campaigns to spreading awareness about hygiene through plays and music is also being carried out across the nation.

The '#MyCleanIndia' was also launched simultaneously as a part of the Swachh Bharat drive to highlight the cleanliness work carried out by citizens across the nation.

Swachh Bharat Abhiyan has become a 'Jan Andolan' receiving tremendous support from the people. Citizens have turned out in large numbers and pledged for a neat and cleaner India. Taking the broom to sweep the streets, cleaning up the garbage, focussing on sanitation and maintaining a hygienic environment have become a practice after the launch of the Swachh Bharat Abhiyan. People have started to take part and are helping spread the message of 'Cleanliness is next to Godliness.'

Swachh Bharat Mission in urban areas is focused on building individual toilets, community toilets and solid waste management. In rural areas, the emphasis is on behavioral change intervention including interpersonal communication, strengthening implementation and delivery mechanisms down to the Gram Panchayat level, and giving States flexibility to design delivery mechanisms that take into account local cultures, practices, sensibilities and demands.

As a part of Swachh Bharat Mission, Department of Posts organised a nation-wide competition inviting entries for designing the commemorative postage stamp, miniature sheet, First Day Cover and Brochure, on the theme “Swachh Bharat”.

The designs on the stamp & miniature sheet are based on three best entries submitted by Ms.Binita Biswajeeta, Ms. Sanjula S. and Ms. Arushi Aggarwal.

Credits:-

Text	:	Based on the material available on internet
Stamp/Miniature Sheet/FDC	:	Smt. Alka Sharma, based on selected paintings submitted by participant
Cancellation Cachet	:	Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA



स्वच्छ भारत
SWACHH BHARAT

विवरणिका BROCHURE

स्वच्छ भारत

स्वच्छ भारत मिशन, सरकार की उस संकल्पना की देन है, जिसे राष्ट्रपति महोदय ने 09 जून, 2014 को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किया था। अपने संबोधन में उन्होंने कहा था कि, 'हमें शौचालयों की व्यवस्था के बगैर बने घरों और सार्वजनिक स्थानों पर पड़े कूड़े-कचरे के कारण उत्पन्न अपमानजनक स्थिति को कदापि सहन नहीं करना चाहिए। देशभर में साफ-सफाई, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से "स्वच्छ भारत मिशन" नामक योजना शुरू की जाएगी। यह योजना, 2019 में मनाई जाने वाली महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी।' स्वच्छ भारत मिशन के कार्यान्वयन का कार्य शहरी क्षेत्रों में, शहरी विकास मंत्रालय द्वारा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

नई दिल्ली के ऐतिहासिक राजपथ पर स्वच्छ भारत मिशन का बिगुल फूंकते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि, "वर्ष 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छ भारत, उनके प्रति अर्पित की जाने वाली सर्वश्रेष्ठ श्रद्धांजलि होगी।" स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत 02 अक्तूबर, 2014 को देशव्यापी राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में हुई।

जनसामान्य को इस मिशन में जोड़े जाने से यह स्वच्छता अभियान वास्तव में एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है। इस आंदोलन के फलस्वरूप, आमजन में जिम्मेदारी की नई भावना उत्पन्न हुई है। देश के विभिन्न हिस्सों में साफ-सफाई से जुड़े विविध कार्यकलापों में लोगों की सक्रिय भागीदारी होने से महात्मा गांधी का "स्वच्छ भारत" का स्वप्न धीरे-धीरे साकार होने लगा है।

समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने कदम बढ़ाया है और स्वच्छता के इस जनान्दोलन का हिस्सा बने हैं। देश के कोने-कोने में लाखों लोग दिन-प्रतिदिन सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों तथा स्थानीय सामुदायिक केन्द्रों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों का हिस्सा बन रहे हैं, ताकि स्वच्छ भारत का उद्देश्य हासिल किया जा सके। लघु नाटकों और संगीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से साफ-सफाई के बारे में जन जागरूकता फैलाने संबंधी अभियान भी निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत देशभर में जनसामान्य द्वारा किए गए साफ-सफाई संबंधी कार्यों का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर "#MyCleanIndia" नामक मंच भी शुरू किया गया है।

जनसामान्य के अपार समर्थन के बल पर यह अभियान विशाल 'जन आंदोलन' के रूप में आगे बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में लोग इससे जुड़े हैं और भारत को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने की शपथ ली है। इस अभियान की मशाल जलने के बाद, झाड़ू उठाकर सड़कों, गलियों को बुहारना, इधर-उधर फैला कूड़ा- कचरा साफ करना और साफ-सफाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए वातावरण को स्वच्छ रखना लोक व्यवहार का हिस्सा बन चुका है। लोग एक दूसरे का हाथ थाम कर इस कालजयी संदेश का यथा संभव प्रचार-प्रसार कर रहे हैं कि 'स्वच्छता में ही ईश्वर का वास है।'

इस मिशन के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में एकल शौचालय, सामुदायिक शौचालय तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। दूसरी ओर, ग्रामीण क्षेत्रों में, संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन के रवैये में परिवर्तन पर बल देने के साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर तक कार्यान्वयन की प्रक्रिया सुदृढ़ बनाकर उद्देश्य प्राप्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और साथ ही राज्यों को स्थानीय संस्कृतियों, प्रथाओं, संवेदनशीलता से जुड़े पहलुओं और जरूरतों का ध्यान रखते हुए परिणामोत्पादक प्रणालियां विकसित करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की जा रही है।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत, डाक विभाग ने 'स्वच्छ भारत' विषय पर स्मारक डाक-टिकट, मिनियेचर शीट, प्रथम दिवस आवरण और सूचना विवरणिका का डिजाइन तैयार करते हुए राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता आयोजित कर प्रविष्टियां आमंत्रित कीं।

डाक-टिकट तथा मिनियेचर शीट का डिजाइन, उक्त प्रतियोगिता की तीन सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों पर आधारित है, जो सुश्री विनीता विश्वजीत, सुश्री संजुला एस. और सुश्री आरूषि अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत की गईं।

आभार:-

मूलपाठ	:	इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित
डाक टिकट/मिनियेचर शीट/ प्रथम दिवस अवरण	:	श्रीमती अलका शर्मा, प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत तथा चुनी गई पेंटिंग्स पर आधारित
विरूपण	:	श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसा, 2500 पैसा 500 p, 2500
मुद्रित डाक-टिकटें Stamps printed	: :	308250 प्रत्येक 308250 each
मुद्रित मिनियेचर शीट Souvenir Sheet Printed	: :	1.0 लाख 0.1 milion
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

The above philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00